



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 24, 1984/माघ 4, 1905

No. 24]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 24, 1984/MAGHA 4, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1984

सां०का०नि० 44 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, महापत्तन न्याय अधि-
नियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3 की उपधारा (1) के
खंड (ग) के उपखंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,
भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की
अधिसूचना सं० सां०का०नि० 19(अ) दि० 11 जनवरी, 1984 में
निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की निम्न सारणी में,—

(क) क्रम सं० 9 के बाद और तत्संबंधी प्रविष्टियों के बाद निम्न-
लिखित क्रम सं० और प्रविष्टियां रखी जायें, अर्थात् :—

1	2	3	4
"10. सदर्न इंडिया चैम्बर आफ कामर्स एंड इन्डस्ट्री, मद्रास	नाविक		1"

(ख) कागज (4) में 'कुल' शब्द के सामने संख्या "9" के लिए
संख्या "10" रखी जाय।

[फाइल सं० पी डब्ल्यू/पीटीबी-23/83]

1340 GI/83—1

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Posts Wing)

(NOTIFICATIONS)

New Delhi, the 24th January, 1984

G.S.R. 44(E) :— In exercise of the powers conferred by
sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 3 of
the Major Port Trusis Act, 1963 (38 of 1963), the Central Govern-
ment hereby makes the following amendments in the notifica-
tion of the Government of India in the Ministry of Shipping
and Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 19 (E), dated the 11th
January, 1984, namely :—

In the Table below the said notification

(a) after Serial Number 9 and the entries relating thereto,
the following Serial Number and entries shall be inserted, namely:

1	2	3	4
"10.	The Southern India Chamber of Commerce and Industry, Madras.	Shippers	1"

(b) against the word "Total" in column (4), for the figure
"9", the figure "10" shall be substituted.

[F.No. PW/PTB- 23/83]

(1)

सांकांति 45 (अ):—केन्द्रीय सरकार महापत्तन व्याप्त अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3 की उप धारा (1) के खंड (ग) के उपखण्ड (ii), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (पत्तन पंख) की अधिसूचना सं० सांकांति 27(अ) दिनांक 11 जनवरी, 1984 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के निम्न मार्गों में —

(क) क्रम सं० 6 के बाद तत्पश्चात् प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित क्रम सं० शीर्ष प्रविष्टियां जोड़ी जायें, अर्थात्:—

1	2	3	4
“7. आल इंडिया शिपर्स काउंसिल		नार्विक	1”

(ख) कालम 1(4) में “कुल” शब्द के सामने संख्या “6” की बजाय संख्या “7” रखी जाये।

[कार्य सं० पी डब्ल्यू/पीटीबी 24/83]
सु० वसुदेव, उपसचिव

G.S.R. 45(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 27(E), dated the 11th January, 1984, namely:—

In the Table below the said notification,—

(a) after Serial Number 6 and the entries relating thereto, the following Serial Number and entries shall be inserted, namely:—

1	2	3	4
“7. All India Shippers’ Council		Shippers	1”

(b) against the word “Total” in column (4) for the figure “6”, the figure “7” shall be substituted.

[F. No. PW/PTB-24/83]
S. VASUDEV, Dy. Secy.